

SAFALTA CLASSTM

An Initiative by **अमरउजाला**



HISTORY

BY

SUJEET BAJPAI SIR





1707

शिवाजी

मराठा
साम्राज्य

MARATHA
EMPIRE

मराठा

- ❖ मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे ।
- ❖ माता : जीजाबाई
- ❖ शिक्षक : रामदास
तुकाराम
कोंडदेव
- ❖ पिता : शाह जी
- ❖ जन्म स्थान : शिवनेर दुर्ग (1627/1630)
- ❖ राजधानी – रायगढ़
- ❖ पुरंदर की संधि (1665) : शिवाजी और जयसिंह के बीच

Maratha

❖ Shivaji was the founder of the Maratha Empire.

❖ Mother: Jijabai

❖ Teachers: Ramdas,
Tukaram,
Kond dev

❖ Father: Shah Ji

❖ Place of Birth: Shivner Fort (1627/1630)

❖ Capital – Raigarh

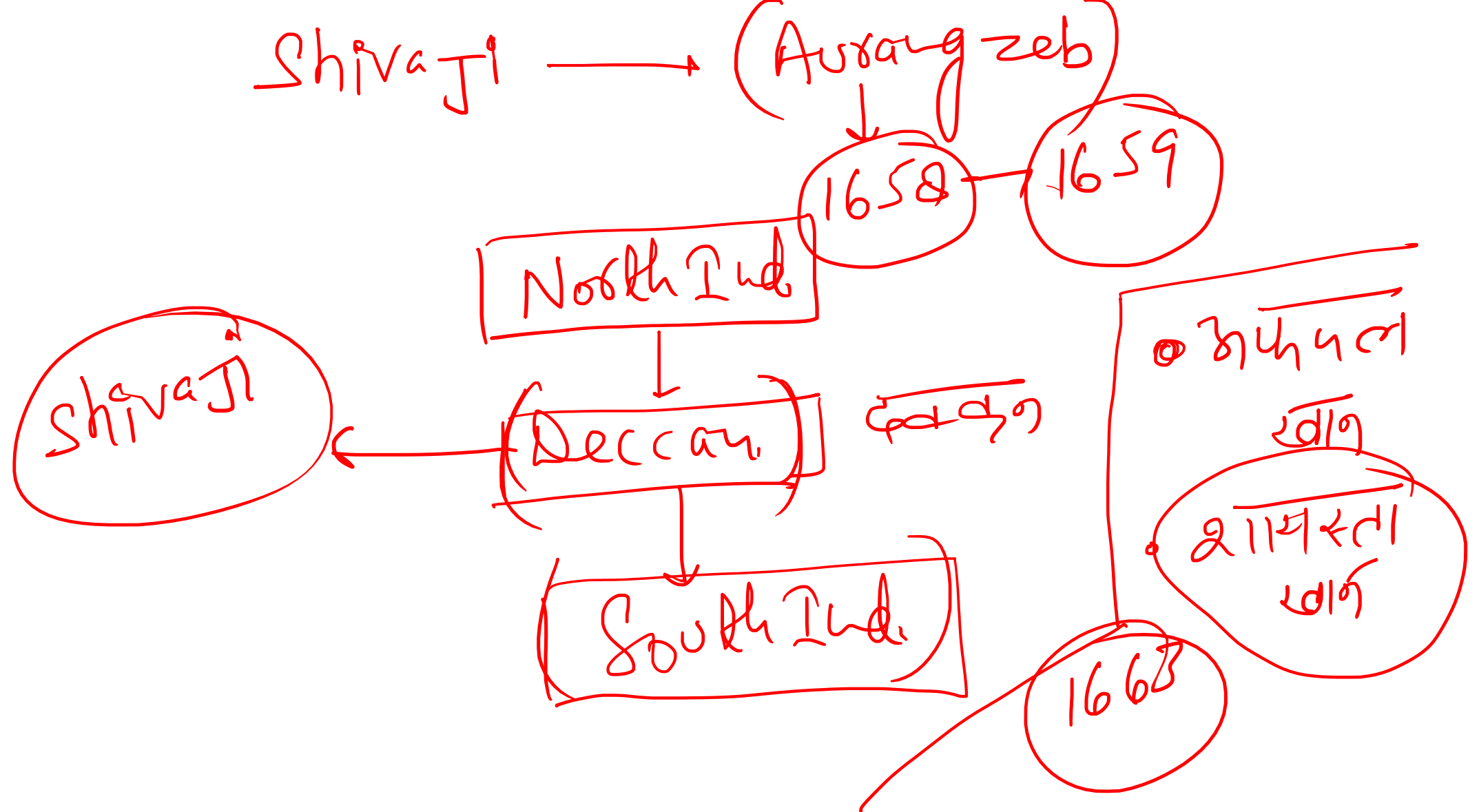
❖ The Treaty of Purandar (1665) : Between Shivaji and Jai Singh

ch-9 ← 240 mi | ~~24 km~~

ch-10 | class 7

8th year

N C E R T



* सूरत को दो बार लूटा *
→ मुगलों का व्यापारिक केंद्र

- ❖ शिवाजी का राज्याभिषेक – गंगाधर भट्ट ने 1674 में किया था ।
- ❖ शिवाजी ने अपनी मंत्रिपरिषद् के रूप में अष्टप्रधान की स्थापना की थी।
- ❖ पेशवा अष्टप्रधान का प्रमुख था ।
- ❖ मोरोपंत पिंगले पहला पेशवा था ।
- ❖ Title of Shivaji – छत्रपति

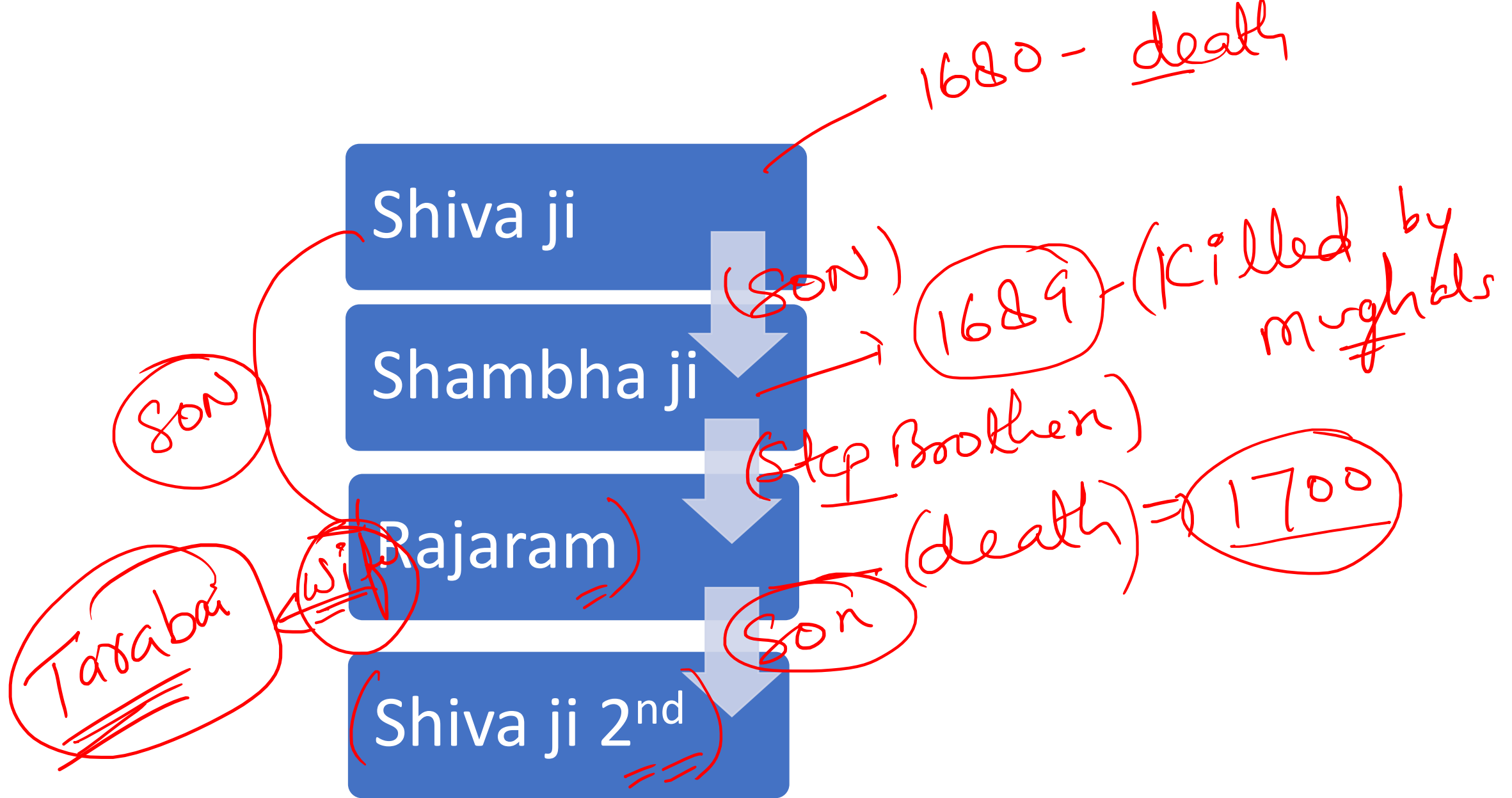
शिवजीच्या राज्याचा

- ❖ Shivaji's coronation was performed by Gangadhar Bhatt in 1674.
- ❖ Shivaji had established Ashpradhan as his Council of Ministers.
- ❖ Peshwa was the head of Ashpradhan.
- ❖ Moropant Pingle was the first peshwa.
- ❖ Title of Shivaji - Chhatrapati

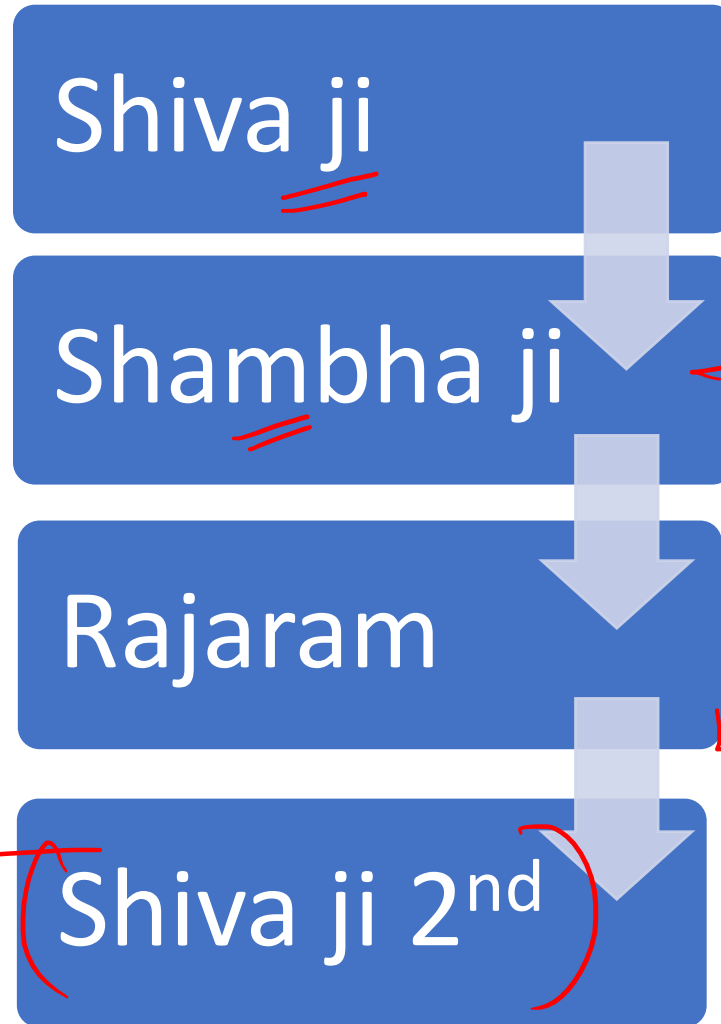
पेशवा पद

पेशवा (Post)

छत्रपति



1707



Minor

(80N)

Taxaba

1211
(54)

- शाहू ने ताराबाई को बालाजी विश्वनाथ की मदद से हराया था ।
- इसके बाद मराठों का इतिहास पेशवाओं के इतिहास में बदल गया।

❖ Shahu defeated Tarabai with the help of Balaji Vishwanath.

❖ After this the history of the Marathas changed in the history of the Peshwas.

पेशवाओं के बारे में :

1. बाला जी विश्वनाथ (1713-20)

❖ ये पहले शक्तिशाली पेशवा थे।

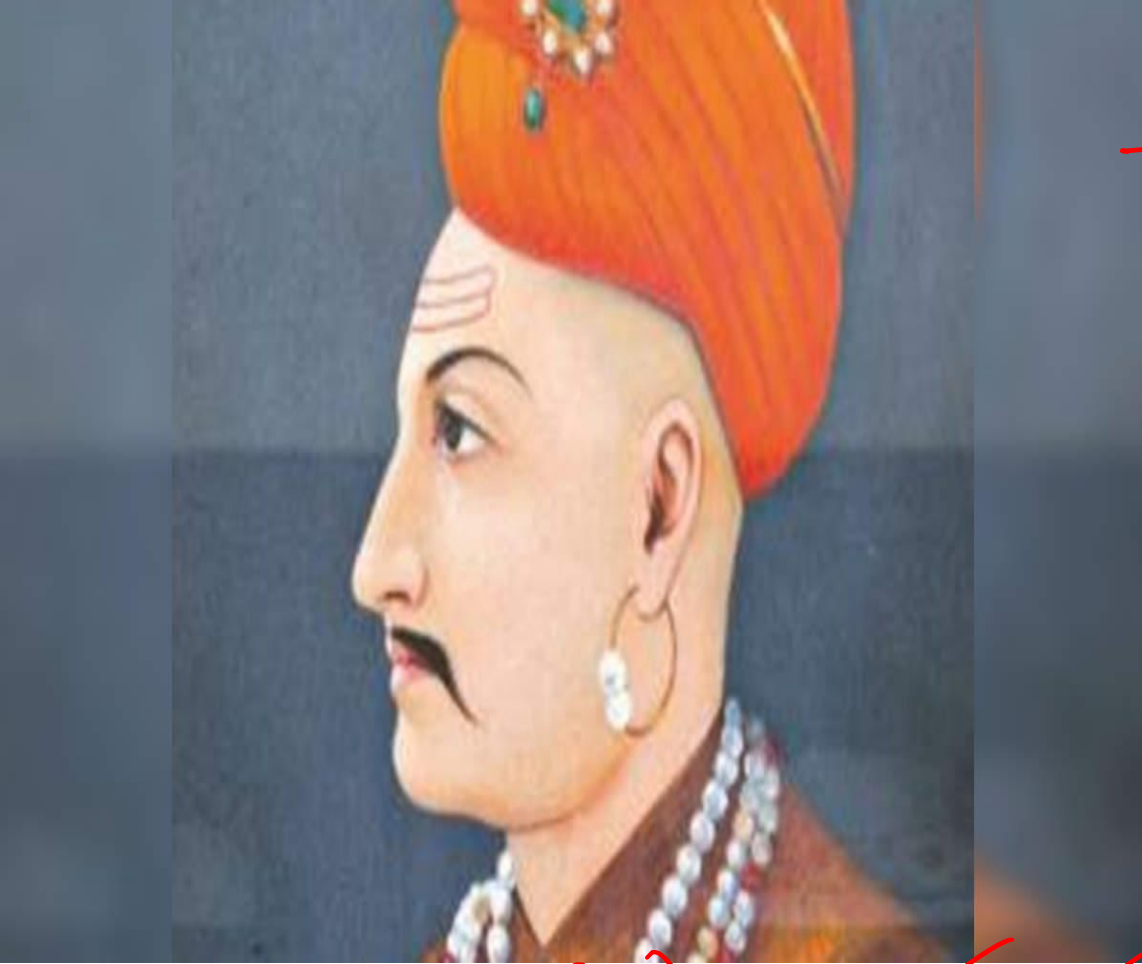
❖ इन्होंने पेशवा के पद को अपने परिवार के लिए स्थायी बना दिया था ।

About Peshwas:

1. Bala Ji Viswanath (1713-20)

❖ He was the first powerful Peshwa.

❖ He made the post of Peshwa permanent for his family.



(1713-20)

→ बाला की विश्वास

→ Pol. १५ मम

Shahu Ji

पुद्गल

शिव १ पेशवा
[पेशवा १ शाहू]



→ राधादास - Ist
(1720-40)

→ 75%

→ देवदास

→ नरदास

→ 1739

→ (Brahmins)

→ 1737

→ Delhi



बालाजी बाजीराव का शासनकाल
(1740-1761)

→ (Nana Sahab)

→ 1761

2. बाजीराव प्रथम (1720-1740)

❖ यह सर्वाधिक शक्तिशाली पेशवा था ।

❖ ये पहले पेशवा थे जिन्होंने दिल्ली पर आक्रमण किया
|(1737)

2. Bajirao 1st (1720-1740)

❖ He was the most powerful peshwa.

❖ He was the first peshwa who invaded Delhi.

3. बालाजी बाजीराव: (1740-1761)

- ❖ इसे नानासाहब भी कहते थे ।
- ❖ पानीपत का तीसरा युद्ध इसी के समय में हुआ था।
- ❖ पानीपत के तीसरे युद्ध (1761) में अफगान सेनापति अहमद-शाह-अब्दाली ने मराठा सेनापति सदा शिव राव को हराया था ।

3. Balaji Bajirao: (1740-1761)

- ❖ He was also called Nana Sahab.
- ❖ The third war of Panipat happened in his time.
- ❖ In the Third War of Panipat (1761), Afghan general Ahmed-Shah-Abdali defeated Maratha Senapati Sada Shiv Rao.

1761 — [बाला दी बदीख]

1 Raghunath Rao ⇒ 1775

3
मराठों के अंग्रेजों के साथ युद्ध

प्रथम युद्ध : (1775-1782)

1780-84

drawn

❖ यह युद्ध रघुनाथ राव की महत्वाकांक्षाओं का परिणाम था।

❖ इस युद्ध का अंत सालबई की संधि से हुआ था।

First War : (1775-1782)

1782

❖ This war was the result of Raghunath Rao's ambitions.

❖ The war ended with the Treaty of Salbai.

प्रमुख संधियाँ :

1. 1775: सूरत की संधि – रघुनाथ राव और अंग्रेजों की बॉम्बे सरकार का बीच
2. 1782: सालबाई की संधि – पूना दरबार और अंग्रेजों के मध्य

Major Treaties:

1. 1775: Treaty of Surat – Between Raghunath Rao and the Bombay Government of the British
2. 1782: Treaty of Salbai – Between Pune Darbar and British

1782 \Rightarrow 1803

\hookrightarrow (Bajirao-2nd)

Wellesley

द्वितीय युद्ध : (1802-1805)

❖ बाजीराव द्वितीय की सुरक्षा अंग्रेजों के द्वारा की गयी थी ।

❖ अंग्रेजों ने इसे पुणे में रखा था ।

2nd War: (1802-1805)

❖ Bajirao 2nd was protected by the British.

❖ The British kept him in Pune.



→ Revolt

→ Bilthoor फिरोज़
(Canpur)

(Adopted
child)

एजेयू टि (Nana
Sehab)

तीसरा युद्ध: (1816-18)

- ❖ बाजीराव दितीय ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था ।
- ❖ अंग्रेजों ने इसे हराकर बिठूर भेज दिया था ।
- ❖ अंग्रेजों ने पेशवा का पद समाप्त कर दिया था ।
- ❖ बाजीराव दितीय अंतिम पेशवा था ।

Third War: (1816-18)

- ❖ Bajirao 2nd had rebelled against the British.
- ❖ The British had sent him to Bithoor by defeating him.
- ❖ The British had abolished the post of Peshwa.
- ❖ Bajirao 2nd was the last Peshwa.

✓
राजस्व नीतियाँ

LAND REVENUE SYSTEM DURING BRITISH INDIA

1. स्थायी बंदोबस्त (1793) या स्थायी जमींदारी या इस्तमरारी
(ठेकेदारी) \Rightarrow 19% Area

- ❖ इस व्यवस्था का आरम्भ कार्नवालिस ने किया था ।
- ❖ उद्देश्य- ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में निश्चित आय प्राप्त करना चाहती थी ।
- ❖ क्षेत्र(Area)—बिहार, बंगाल, उड़ीसा
- ❖ सूर्यास्त कानून का सम्बन्ध स्थायी बंदोबस्त से था ।



1. Permanent Settlement (1793) or Permanent Zamindari or Istamarari

- This system was started by Cornwallis.
- Objective: The East India Company wanted to get fixed income in India.
- Area: Bihar, Bengal, Orissa
- The Sunset law was related to permanent settlement.

1786 \Rightarrow કર્જવાલિય Cornwallis



(x) $\propto 1/\pi$

(EIC) \rightarrow $\frac{10}{11}$ of Revenue

~~Zamindar~~ \rightarrow $\frac{1}{11}$ of Rev

Sunset Law

~~Farmers~~

Weak ⊕ Absent

2. रैयतवाडी बंदोबस्त (1820)

❖ इस व्यवस्था का आरम्भ अलेक्जेंडर रीड और टॉमस मुनरो ने किया था ।

❖ इस व्यवस्था का आरम्भ मद्रास से हुआ था।

❖ इस राजस्व बंदोबस्त को सर्वाधिक क्षेत्रों पर लगाया गया था ।

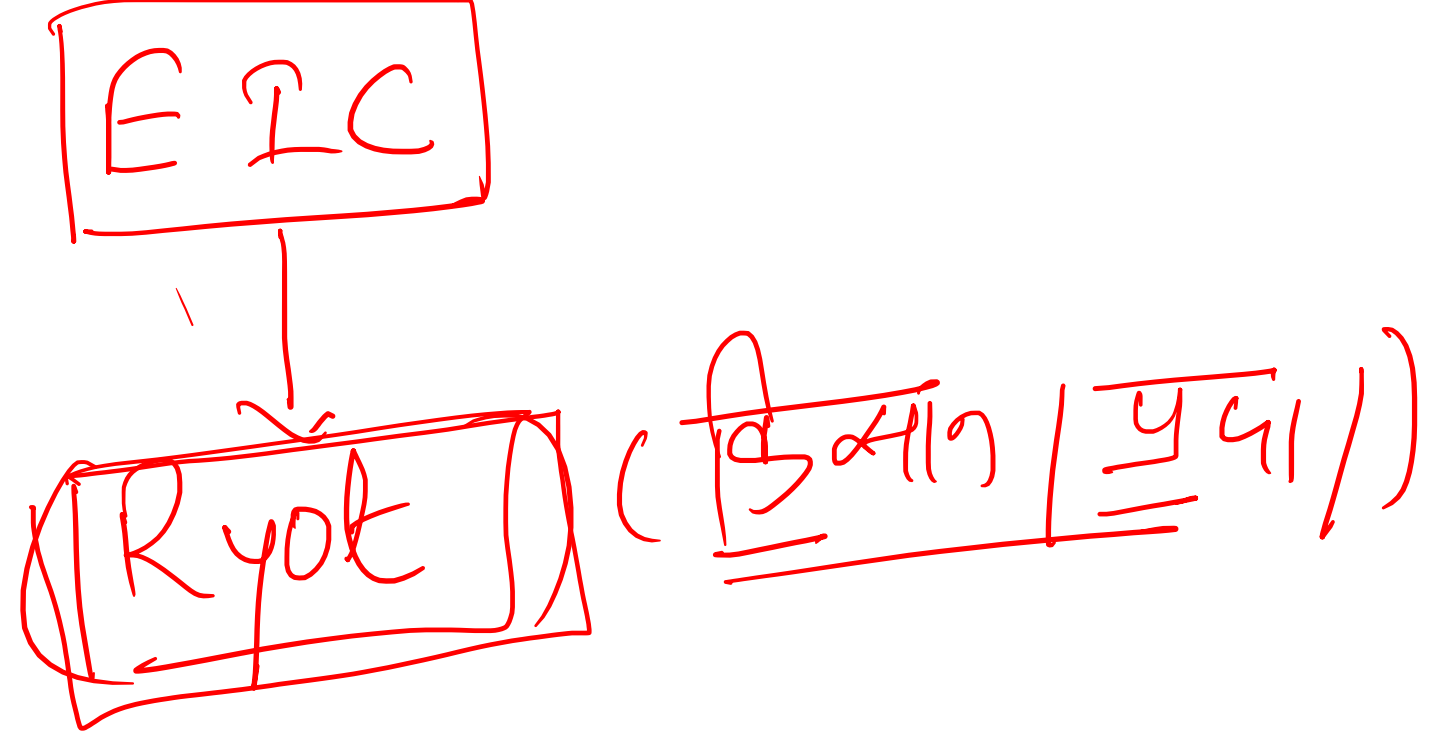
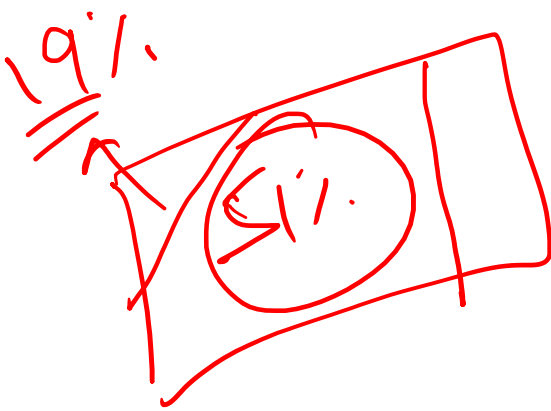
❖ बॉम्बे में इस व्यवस्था का आरम्भ एल्फिन्स्टन ने किया था ।

Zamindar class

Bar amahal

2. Ryotwadi Settlement (1820)

- ❖ The system was initiated by Alexander Reed and Thomas Munro.
- ❖ This system was started in Madras.
- ❖ This revenue settlement was imposed on maximum area.
- ❖ The system was started in Bombay by Elphinstone.

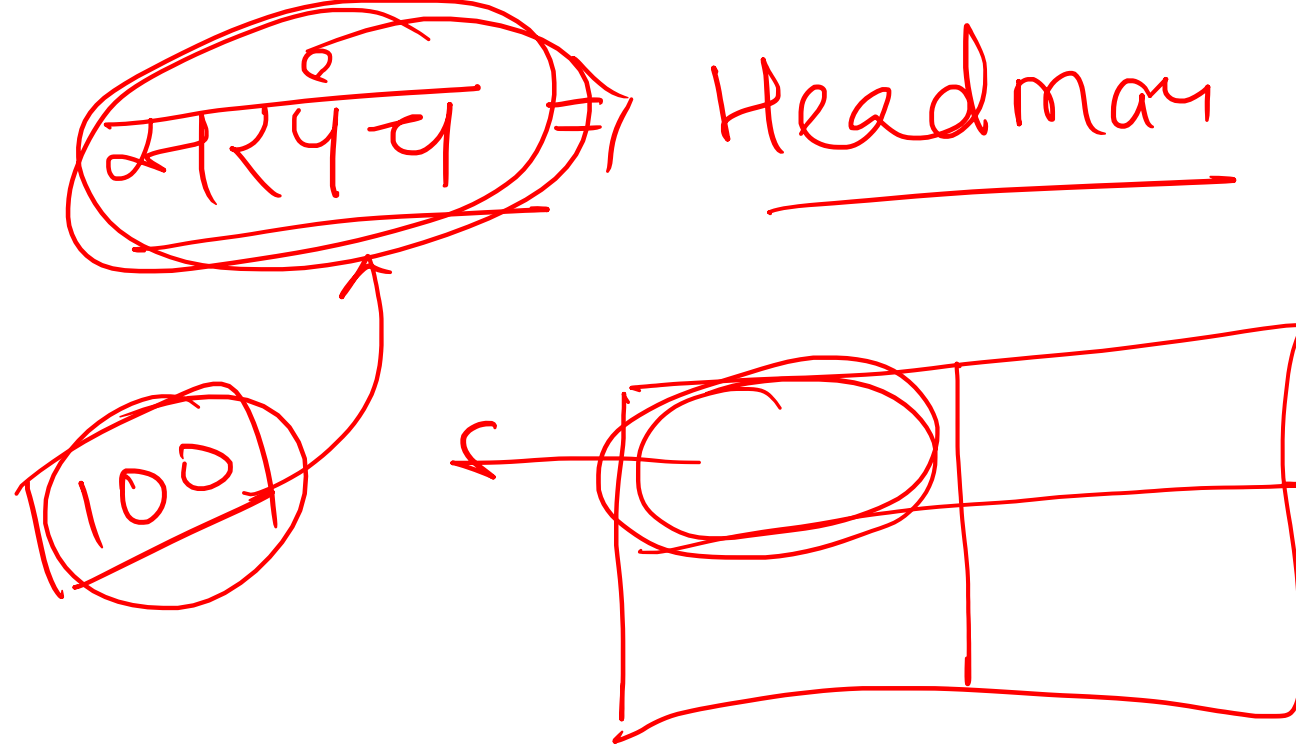


3. महालवाडी बंदोबस्त (1822)

- ❖ इस व्यवस्था का आरम्भ Holt Makenji ने किया था ।
- ❖ ईस्ट इंडिया कंपनी रैयतवाडी व्यवस्था के दोषों को दूर करना चाहती थी।
- ❖ क्षेत्र (Areas): पंजाब, मध्य प्रान्त, सयुंक्त प्रान्त

3. Mahalwadi Settlement (1822)

- ❖ The system was initiated by Holt Makenji.
- ❖ The East India Company wanted to remove the defects in the Rayotwadi system.
- ❖ Area: Punjab, Central Province, United Province



है।

(Vill. Group)

Vill

1 Theory of Drain of Wealth
ਥਰੀ ਓ ਫਿਸਟ ਓ ਰਿਚ

↳ Dada Bhai Naoroji
↳ Book \Rightarrow Poverty & Un-British
Rule in India

Gold \rightarrow Cotton + Spices
↳